मेरे तो गिरधर गोपाल | By Tejaswa

मेरे तो गिरधर गोपाल दुसरो ना कोई
जा के सिर मोर मुकुट, में रूप अति सोइ
मेरे तो गिरधर गोपाल दुसरो ना कोई

चुनरी के किये टूक ओढ़ ली नी लोई
मोती मूंगे उतार बन माना पोइ रे
मेरे तो गिरधर गोपाल दुसरो ना कोई

अंसुवन जल सींच सींच प्रेम बेल बोई
अब तो बेल फैल गई, आनंद फल होइ रे
मेरे तो गिरधर गोपाल दुसरो ना कोई

भगत देख राजी होइ, जगत देख रोइ
दासी मीरा लाल गिरधर, तारो अब मोहि रे
मेरे तो गिरधर गोपाल दुसरो ना कोई

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a5%8b-%e0%a4%97%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%a7%e0%a4%b0-%e0%a4%97%e0%a5%8b%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%b2-by-tejaswa/